बूथ जीता चुनाव जीता' के मंत्र के साथ वोटर... 05

बीसलपुर में डेंगू बुखार का नहीं थम रहा है प्रकोप 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्षः 15 | अंकः 16
मूल्यः ₹3.00/-
पेज : 12+1 (वेब संस्करण)
गुरुवार | 26 अक्टूबर, 2023

कृषि विज्ञान केंद्रों की मध्यावधि समीक्षा कार्यशाला के साथ मासिक समीक्षा बैठक संपन्न

जन एक्सप्रेस | कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशालय मे बुधवार को मध्यावधि कार्यशाला के पहले कृषि विज्ञान केंद्रों की मध्यावधि समीक्षा कार्यशाला एवं मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन हुआ। निदेशक प्रसार डॉ.आर. के.यादव के नेतृत्व में हुई इस बैठक मे उन्होंने सभी वैज्ञानिकों से कहा कि सभी जनपदों की वार्षिक कार्य योजना किसानों की मांग के अनुरूप बनकर तैयार होगी। उन्होंने वैज्ञानिकों से समन्वित कृषि प्रणाली के सुदृढ़ता के लिए मिलजुल कर कार्य करने तथा स्थानीय सभी प्रकार की फसलों के किस्मों का मूल्यांकन कर किसानो में बीज वितरित किए जाने की बात कही।उन्होंने कृषि,बागवानी और संबंधित क्षेत्रों के संपूर्ण विकास और क्रियान्वयन के लिए गांव का चयन कर सामूहिक प्रयत्नों की आवश्यकता पर बल देते हुए एफएलडी एवं ओएफटी पर वैज्ञानिकों को सुझाव दिए। इस अवसर पर डॉ.वी.के.कनौजिया, डॉ.एस.एल.वर्मा, डॉ.ए.के. सिंह, डॉ.आशा यादव सहित सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष मौजूद रहे।

हल्दी में कर्कुमिन यौगिक को कैप्सूल फॉर्म में बनाने की तैयारी

शोधपत्र को प्रो. केएन कौल बेस्ट रिसर्च पेपर प्रमाणपत्र दिया गया

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 25 अक्टूबर। राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान के 70 वें वार्षिक दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि सीएसए कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने अपने विचार व्यक्त किये। भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् के उत्तरपूर्वी हिमालय क्षेत्र के अनुसन्धान केंद्र के निदेशक डॉ. वी पी मिश्र संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट 2022-23 जारी की। संस्थान के निदेशक डॉ. अजित कुमार शासनी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए वर्ष 2022-23 की अवधि के दौरान वार्षिक प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की।

पुस्तक का विमोचन करते कुलपति व अन्य।

संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा प्रकाशित शोध पत्रों में सबसे अधिक इम्पैक्ट फैक्टर वाले शोध पत्र को प्रो. केएन कौल बेस्ट रिसर्च पेपर प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया । संस्थान ने हल्दी में पाए जाने वाले महत्वपूर्ण यौगिक कर्कुमिन के खाने योग्य कैप्सूल (क्रोमा-3) बनाने की तकनीकी को मेसर्स जेवियर मेड प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद को स्थानांतरित किया गया। संस्थान में इस तकनीकी को विकसित करने वाले वैज्ञानिक डॉ. बी एन सिंह ने बताया कि इस कैप्सूल की तकनीकी संस्थान द्वारा वर्ष 2022 में विकसित की गयी थी। बाजार में सरल उपलब्धता हेतु इसे एक और कंपनी को हस्तांतरित किया जा रहा हैं। एनबीआरआई द्वारा हल्दी में पाए जाने वाले कर्कुमिन यौगिक को कैप्सूल फॉर्म में बेहतर जैव उपलब्धता और औषधीय गुणों के साथ एक मानकीकृत हर्बल फॉर्मूलेशन (क्रोमा-3) के रूप में तैयार किया गया है। क्रोमा -3 के हर्बल फार्मूलेशन में 10 प्रतिशत से अधिक करक्यूमिन होता है, जो बेहतर औषधीय गुणों के साथ-साथ शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र को भी मजबूत करता हैं। इस फार्मूलेशन को आयुष मंत्रालय द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुरूप विकसित किया गया हैं ।

सिनेमा

IR CONDITIONED
IGITAL SOUND
IGITAL PICTURE
ता. 20 से भव्य प्रदर्शन

ली अवराम, रहमान, फैसल मोहम्मद, शताफ फिगार

ITAL CINEMA
TALSOUND
ता. 20 से अखिल भारतीय महान उद्घाटन

Sign in to edit and save changes to this file.

अंक-228 कानपुर, गुरूवार 26 अक्टूबर 2023 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौहदा, बादा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

facebook aajkakanpur X aajkakanpur 83033 31758 aajkakanpur@gmail.com aajkakanpur2014

मध्यावधि कार्यशाला के पूर्व कृषि विज्ञान केंद्रों की हुई समीक्षा बैठक

आज का कानपुर

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय मे मध्यावधि कार्यशाला के पूर्व कृषि विज्ञान केंद्रों की मध्यावधि समीक्षा कार्यशाला एवं मासिक समीक्षा बैठक निदेशक प्रसार डॉ आर के यादव के कुशल नेतृत्व में प्रारंभ हुई। इस अवसर पर निदेशक प्रसार डॉ आरके यादव ने समस्त वैज्ञानिकों से कहा कि निश्चित तौर पर सभी जनपदों की वार्षिक कार्य योजना किसानों की मांग के अनुरूप बनकर तैयार होगी। उन्होंने वैज्ञानिकों से कहा कि समन्वित कृषि प्रणाली के सुदृढ़ता के लिए सभी वैज्ञानिको को मिलजुल कर कार्य करने का संकेत देते हुए कहा कि स्थानीय सभी प्रकार की फसलों के किस्मों का मूल्यांकन करके बीज कृषकों को वितरित किया जाना चाहिए। उन्होंने कृषि,बागवानी और संबंधित क्षेत्रों के संपूर्ण विकास के लिए क्रियान्वयन हेतु गांव का चयन करके सामूहिक प्रयत्नों की आवश्यकता पर बल दिया।साथ ही एफ एल डी एवं ओएफटी पर उन्होंने वैज्ञानिकों को सुझाव दिए।जिससे कि वार्षिक कार्य योजना किसानों की आवश्यकता के अनुरूप तैयार हो।और कृषकों को लाभकारी सिद्ध हो।

दैनिक जागरण 26/10/2023

किसानों को स्थानीय फसलों की किस्मों के बीज कराएं वितरित

समीक्षा बैठक में निर्देश

जासं, कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से संबद्ध 15 जिलों में संचालित कृषि विज्ञान केंद्र के विज्ञानियों को अब किसानों की मांगों और सुझावों के अनुसार वार्षिक कार्य योजना बनानी होगी। समन्वित कृषि प्रणाली के सुदृढ़ता के लिए सभी विशेषज्ञों को काम करने की प्राथमिकता देनी होगी। स्थानीय सभी प्रकार की फसलों के किस्मों का मूल्यांकन करके बीज कृषकों को वितरित किए जाएं, ताकि फसलों की बेहतर पैदावार हो सके। ये निर्देश बुधवार को प्रसार निदेशालय में कृषि विज्ञान केंद्रों की मध्यावधि समीक्षा कार्यशाला एवं मासिक समीक्षा बैठक में निदेशक प्रसार डा. आरके यादव ने दिए।

उन्होंने कृषि, बागवानी और संबंधित क्षेत्रों के संपूर्ण विकास के लिए क्रियान्वयन हेतु गांव का चयन करके सामूहिक प्रयत्नों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों से जोर देते हुए कहा कि वार्षिक कार्य योजना किसानों की आवश्यकता के अनुरूप तैयार होनी चाहिए। ताकि वो कृषकों को उनका सीधा लाभ मिल सके।

30वां (वि

पत्रांक:– 3446 / 2

अंक-228 कानपुर, गुरूवार 26 अक्टूबर 2023 पृष्ठ-8

काशित

दैनिक

आज का कानपुर

कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौहदा, बादा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

anpur.in facebook aajkakanpur aajkakanpur 83033 31758 aajkakanpur@gmail.com aajkakanpur2014

राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ ने 70वाँ वार्षिक दिवस मनाया

आज का कानपुर

कानपुर । राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान के 70 वें वार्षिक दिवस के अवसर पर सीएसए कुलपति रहे बतौर मुख्य अतिथि सीएसआईआर- राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ ने 70वाँ वार्षिक दिवस मनाया। इस अवसर पर चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह, समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।जबकि भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् के उत्तरपूर्वी हिमालय क्षेत्र के अनुसन्धान केद्र के निदेशक डॉ. वी पी मिश्र समारोह में विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर कार्यक्रम में संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट 2022-23 जारी की गयी। संस्थान के निदेशक डॉ. अजित कुमार शासनी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए वर्ष 2022-23 की अवधि के दौरान वार्षिक प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की7 इस अवसर पर गणमान्य अतिथियों ने संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा प्रकाशित शोध पत्रों में सबसे अधिक इम्पैक्ट फैक्टर वाले शोध पत्र को प्रो. केएन कौल बेस्ट रिसर्च पेपर प्रमाणपत्र दे कर सम्मानित किया गया । इस अवसर पर संस्थान द्वारा हल्दी में पाए जाने वाले महत्वपूर्ण यौगिक कर्कुमिन के खाने योग्य कैप्सूल (क्रोमा-3) बनाने की तकनीकी को मेसर्स जेवियर मेड प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद को स्थानांतरित किया गया 7संस्थान में इस तकनीकी को विकसित करने वाले वैज्ञानिक डॉ. बी एन सिंह ने बताया कि इस कैप्सूल की तकनीकी संस्थान द्वारा वर्ष 2022 में विकसित की गयी थी।. बाज़ार में सरल उपलब्धता हेतु इसे एक और कंपनी को हस्तांतरित किया जा रहा हैं। एनबीआरआई द्वारा हल्दी में पाए जाने वाले कर्कुमिन यौगिक को कैप्सूल फॉर्म में बेहतर जैव उपलब्धता और औषधीय गुणों के साथ एक मानकीकृत हर्बल फॉर्मूलेशन (क्रोमा-3) के रूप में तैयार किया गया है। क्रोमा - 3 के हर्बल फार्मूलेशन में 10ब से अधिक करक्यूमिन होता है, जो बेहतर औषधीय गुणों के साथ-साथ शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र को भी मजबूत करता हैं।

Title-code: UPHIN-48963

E-mail: jksingh.hardoi@gmail.com

सत्य का असर

समाचार पत्र

Thursday 26th October 2023

jksingh.hardoi@gmail.com
9956834016

website: satyakaasar.com

मध्यावधि कार्यशाला के पूर्व कृषि विज्ञान केंद्रों की हुई समीक्षा बैठक*

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

सत्य का असर समाचार पत्र

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय मे मध्यावधि कार्यशाला के पूर्व कृषि विज्ञान केंद्रों की मध्यावधि समीक्षा कार्यशाला एवं मासिक समीक्षा बैठक निदेशक प्रसार डॉ आर के यादव के कुशल नेतृत्व में प्रारंभ हुई। इस अवसर पर निदेशक प्रसार डॉ आरके यादव ने समस्त वैज्ञानिकों से कहा कि निश्चित तौर पर सभी जनपदों की वार्षिक कार्य योजना किसानों की मांग के अनुरूप बनकर तैयार होगी। उन्होंने वैज्ञानिकों से कहा कि समन्वित कृषि प्रणाली के सुदृढ़ता के लिए सभी वैज्ञानिको को मिलजुल कर कार्य करने का संकेत देते हुए कहा कि स्थानीय सभी प्रकार की फसलों के किस्मों का मूल्यांकन करके बीज कृषकों को वितरित किया जाना चाहिए। उन्होंने कृषि,बागवानी और संबंधित क्षेत्रों के संपूर्ण विकास के लिए क्रियान्वयन हेतु गांव का चयन करके सामूहिक प्रयत्नों की आवश्यकता पर बल दिया।साथ ही एफ एल डी एवं ओएफटी पर उन्होंने वैज्ञानिकों को सुझाव दिए।जिससे कि वार्षिक कार्य योजना किसानों की आवश्यकता के अनुरूप तैयार हो।और कृषकों को लाभकारी सिद्ध हो। निदेशक प्रसार ने इस अवसर पर मासिक समीक्षा भी ली।इस अवसर पर डॉ वीके कनौजिया, डॉक्टर एसएल वर्मा, डॉक्टर ए के सिंह, डॉक्टर आशा यादव सहित समस्त कृषि विज्ञान केंद्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष उपस्थित रहे।

Title-code: UPHIN-48963 E-mail: jksingh.hardoi@gmail.com

सत्य का असर
समाचार पत्र

26,10,2023 jksingh.hardoi@gmail.com मोबाइल नंबर 9956834016

Top News **पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल**

राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान के 70 वें वार्षिक दिवस के अवसर पर सीएसए कुलपति रहे बतौर मुख्य अतिथि

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान के 70 वें वार्षिक दिवस के अवसर पर सीएसए कुलपति रहे बतौर मुख्य अतिथि* सीएसआईआर- राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ ने आज दिनांक 25 अक्टूबर, 2023 को अपना 70वाँ वार्षिक दिवस मनाया। इस अवसर पर चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह, समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।जबकि भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् के उत्तरपूर्वी हिमालय क्षेत्र के अनुसन्धान केद्र के निदेशक डॉ. वी पी मिश्र समारोह में विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर कार्यक्रम में संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट 2022-23 जारी की गयी। संस्थान के निदेशक डॉ. अजित कुमार शासनी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए वर्ष 2022-23 की अवधि के दौरान वार्षिक प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की| इस अवसर पर गणमान्य अतिथियों ने संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा प्रकाशित शोध पत्रों में सबसे अधिक इम्पैक्ट फैक्टर वाले शोध पत्र को प्रो. केएन कौल बेस्ट रिसर्च पेपर प्रमाणपत्र दे कर सम्मानित किया गया । इस अवसर पर संस्थान द्वारा हल्दी में पाए जाने वाले महत्वपूर्ण यौगिक कर्कुमिन के खाने योग्य कैप्सूल (क्रोमा-3) बनाने की तकनीकी को मेसर्स जेवियर मेड प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद को स्थानांतरित किया गया | संस्थान में इस तकनीकी को विकसित करने वाले वैज्ञानिक डॉ. बी एन सिंह ने बताया कि इस कैप्सूल की तकनीकी संस्थान द्वारा वर्ष 2022 में विकसित की गयी थी।. बाज़ार में सरल उपलब्धता हेतु इसे एक और कंपनी को हस्तांतरित किया जा रहा हैं। एनबीआरआई द्वारा हल्दी में पाए जाने वाले कर्कुमिन यौगिक को कैप्सूल फॉर्म में बेहतर जैव उपलब्धता और औषधीय गुणों के साथ एक मानकीकृत हर्बल फॉर्मूलेशन (क्रोमा-3) के रूप में तैयार किया गया है। क्रोमा -3 के हर्बल फार्मूलेशन में 10% से अधिक करक्यूमिन होता है, जो बेहतर औषधीय गुणों के साथ-साथ शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र को भी मजबूत करता हैं | इस फार्मूलेशन को आयुष मंत्रालय द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुरूप विकसित किया गया हैं |

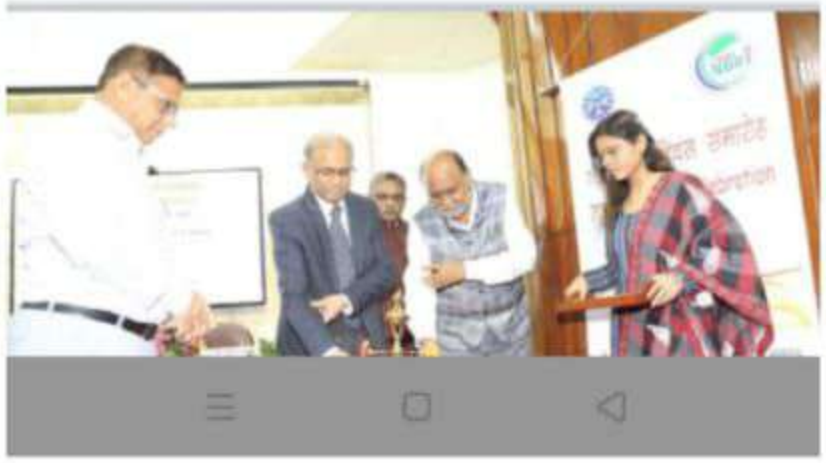

वर्ष-17 अंक-295 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, गुरूवार 26 अक्टूबर 2023

कानपुर से प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात, औरैया में प्रसारित

दैनिक
नगर छाया
आप की आवाज़.....

RNI No.- UPHIN/2007/27090

राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान ने 70वां वार्षिक दिवस मनाया

(नगर छाया समाचार)

कानपुर। राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान के 70 वें वार्षिक दिवस के अवसर पर सीएसए कुलपति रहे बतौर मुख्य अतिथि सीएसआईआर- राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ ने बुधवार को अपना 70वाँ वार्षिक दिवस मनाया। इस अवसर पर चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह, समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।जबकि भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् के उत्तरपूर्वी हिमालय क्षेत्र के अनुसन्धान केद्र के निदेशक डॉ. वी पी मिश्र समारोह में विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर कार्यक्रम में संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट 2022-23 जारी की गयी। संस्थान के निदेशक डॉ. अजित कुमार शासनी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए वर्ष 2022-23 की अवधि के दौरान वार्षिक प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की7 इस अवसर पर गणमान्य अतिथियों ने संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा प्रकाशित शोध पत्रों में सबसे अधिक इम्पैक्ट फैक्टर वाले शोध पत्र को प्रो. केएन कौल बेस्ट रिसर्च पेपर प्रमाणपत्र दे कर सम्मानित किया गया । इस अवसर पर संस्थान द्वारा

हल्दी में पाए जाने वाले महत्वपूर्ण यौगिक कर्कुमिन के खाने योग्य कैप्सूल (क्रोमा-3) बनाने की तकनीकी को मेसर्स जेवियर मेड प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद को स्थानांतरित किया गया 7संस्थान में इस तकनीकी को विकसित करने वाले वैज्ञानिक डॉ. बी एन सिंह ने बताया कि इस कैप्सूल की तकनीकी संस्थान द्वारा वर्ष 2022 में विकसित की गयी थी।. बाज़ार में सरल उपलब्धता हेतु इसे एक और कंपनी को हस्तांतरित किया जा रहा हैं। एनबीआरआई द्वारा हल्दी में पाए जाने वाले कर्कुमिन यौगिक को कैप्सूल फॉर्म में बेहतर जैव उपलब्धता और औषधीय गुणों के साथ एक मानकीकृत हर्बल फॉर्मूलेशन (क्रोमा-3) के रूप में तैयार किया गया है। क्रोमा -3 के हर्बल फार्मूलेशन में 10त्र से अधिक करक्यूमिन होता है, जो बेहतर औषधीय गुणों के साथ-साथ शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र को भी मजबूत करता हैं 7 इस फार्मूलेशन को आयुष मंत्रालय द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुरूप विकसित किया गया हैं ।